मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) वर्ष 1987 में, 14-1-87 को हिन्दी सलाहकार समिति की एक बैठक हुई थी। मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के कोई भी गैर-सरकारी सदस्य मंत्रालय के विभागों की राजभाषा कार्यान्वयन समितियों में पर्यवेक्षक के रूप में नहीं रखे गये हैं।

(ख) यद्यपि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, इसके विभागों, संस्थाओं और अधीनस्थ कार्यालयों में शत-प्रतिशत काम हिन्दी में नहीं हो रहा है तथापि राजभाषा अधिनियम, नियमों और अन्य निर्देशों को लागू करने के लिये किये गये प्रयासों के परिणाम निकल रहे हैं और सरकारी काम-काज में हिन्दी का प्रयोग उत्तरोत्तर बढ़ रहा है। इस समय शिक्षा विभाग में संस्कृत और भाषा प्रभागों में तथा केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय और वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग नामक इसके अधीनस्थ कार्यालयों में अधिकांश काम हिन्दी में ही हो रहा है। 26-10-87 को संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति द्वारा किये गये शिक्षा विभाग के निरीक्षण में की गई सिफारिशों के अनुसरण में यह मंत्रालय शिक्षा विभाग के भाषा और संस्कृति प्रभागों में शत-प्रतिशत काम हिन्दी में ही करने के लिये विचार कर रहा है।

(ग) कला विभाग, जहां हिन्दी एकक अभी स्थापित किया जाना है, को छोड़कर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सभी विभागों में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) में की गई व्यवस्थाओं का यथा-संभव पालन किया जा रहा है।

राजभाषा अधिनियम का लागू किया जाना

435. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) उनके मंत्रालय से संबद्ध हिन्दी सलाहकार समिति की इस वर्ष कितनी बैठकें हुई और राजभाषा कार्यान्वयन समिति में सभी स्तरों पर गैर-सरकारी सदस्यों को पर्यवेक्षक के रूप में नामित किये जाने के संबंध में क्या स्थिति है;

(ख) मंत्रालय, इसके विभागों, संस्थाओं और अधीनस्थ कार्यालयों में हिन्दी अनुभाग को छोड़कर किस किस अनुभाग में शत-प्रतिशत कार्य हिन्दी में किया जा रहा है तथा यह किस-किस तारीख से किया जा रहा है तथा किन मामलों में हिन्दी को अब तक नहीं अपनाया गया है तथा इसके क्या कारण हैं; और

(ग) राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) को मंत्रालय स्तर से निम्नतम स्तर पर पालन न किये जाने के क्या कारण है जबकि अधिनियम को पारित हुये 24 वर्ष तथा वार्षिक कार्यक्रम को तैयार किये 10 वर्ष हो चुके हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) वर्तमान वर्ष के दौरान हिन्दी सलाहकार समिति की एक बैठक हुई है और दूसरी बैठक दिसम्बर, 1987 में बुलाई गई है। इस समय मंत्रालय के सात अधीनस्थ कार्यालयों और स्वशासी निकायों ने अपनी-अपनी राजभाषा कार्यान्वयन समितियों में गैर-सरकारी सदस्यों को प्रेक्षकों के रूप में नामित किया है।

(ख) और (ग) राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) का मंत्रालय में पालन किया जा रहा है। इस अधिनियम के उपबंधों का पालन करने के लिये जोरदार प्रयास किये जा रहे है। हिन्दी में करने के लिये अपेक्षित सभी सरकारी काम नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार हिन्दी में किया जा रहा है।

Development of Calcutta Airport

436. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to develop Calcutta Airport during the Seventh Five Year Plan;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) if the answer to part (a) above is in negative, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TOURISM (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) Yes Sir.

(b) It is proposed to take up the construction of a New International Terminal Complex at Calcutta Airport during the Seventh Five Year Plan. The Terminal will have an area of approximately. 15,800 Sq. metres and will be provided with two incontact aircraft bays equipped with aerobridges and two remote bays. Provision has also been made for approach roads, a Car park and other services. The Terminal will have a park-hour capacity of 1425 passengers and will be capable of handling 7.05 lakhs passengers per annum

(c) Does not arise in view of (a) and (b) above.

Hospitals in Rajasthan with Central Assistance

437. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to set up new hospitals in Rajasthan with central assistance during Seventh Five Year Plan;

(b) if so, what are the names of places where such hospitals are likely to be set up and what criteria have been fixed for the setting up?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Rail accidents in Rajasthan

438. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what is the number of rail accidents occurred in Rajasthan during the last three years;

(b) what is the number of persons killed and injured in such accidents; and

(c) what is the total amount of compensation paid to them or to their family members?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) to (c) Statistics of railway accidents and related indices are maintained railway Zone-wise and not State-wise.

Damage to Railway Tracks in Assam, Bihar and West Bengal

439. SHRI ASHWANI KUMAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the names of sections and length of railway track therein which was rendered un-serviceable partially/fully and for how many days due to the recent floods in Assam, Bihar and West Bengal;

(b) what has been the approximate expenditure in different sections in restoring the track as serviceable;

(c) the amount of loss suffered by Railways in passenger and goods traffic due to these breaches; and

(d) whether the normal traffic has been restored on all such sections of Railways or are there still some sections which have not yet been restored and by which dates these sections will come under operation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) to (c) The information is being